

तीन घंटे तक ममता के धरने ने खुलासा, चुनाव आयोग का जवाब सुनकर रह जाएंगे हैरान!

वर्षिय सूची (Table of Contents):

- >> मुख्य अपडेट्स (Key Highlights)...
- >> घटना का पूरा परिदृश्य...
- >> चुनाव आयोग का जवाब और स्पष्टीकरण...
- >> राजनीतिक प्रतिक्रियाएं और समर्थकों का हुआ उत्तर...
- >> नष्कर्ष...
- >> जनता के सवाल (FAQs)...

पश्चिम बंगाल में गुरुवार को सियासी सतह पर एक बड़ा माहौल बना रहा, जब तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने स्ट्रॉन्गरूम में बैलट बॉक्स से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए धरना-प्रदर्शन किया। ममता बनर्जी खुद पहुंचीं और करीब तीन घंटे तक वहीं रहीं, जबकि चुनाव आयोग ने बाद में इस सभी का खारजि करते हुए स्पष्टीकरण दिया कि बैलट की छंटनी का काम नियमों के तहत ही चल रहा है। यह पूरा मामला अब राजनीतिक और सुरक्षा दोनों के सवाल के रूप में मेज पर है।

त्वरति जानकारी (Quick Summary)

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने स्ट्रॉन्गरूम में बैलट बॉक्स को लेकर छेड़छाड़ का आरोप लगाया और ममता बनर्जी खुद धरना दिया। चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट किया कि बैलट की छंटनी नियमित प्रक्रिया है, सभी पार्टियों को पहले ही सूचना दे दी गई थी और किसी तरह की गैर-कानूनी गतिविधि नहीं देखी गई है। यह घटना राजनीतिक माहौल को और तीव्र करती है।

मुख्य अपडेट्स (Key Highlights)

- >> पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने शाम को एक ई-मेल के बाद स्ट्रॉन्गरूम खोलने की प्रक्रिया पर तीखा हमला किया।
- >> ममता बनर्जी सहित अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों की मौजूदगी में स्ट्रॉन्गरूम गईं और करीब तीन घंटे वहां रहीं।
- >> उन्होंने सुरक्षा कर्मियों पर बहस की कि उन्हें सील कक्ष के अंदर जाने से रोका गया, जबकि नियम अनुसार उम्मीदवार को बाहर तक जाने की अनुमति होती है।
- >> चुनाव आयोग ने रात को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्पष्टीकरण दिया कि बैलटों की छंटनी नियमित है और किसी भी तरह की गैर-कानूनी छेड़छाड़ नहीं हुई है।
- >> खुदीराम अनुशीलन केंद्र के सभी सात स्ट्रॉन्गरूम पूरी तरह से सुरक्षित हैं और बैलट बॉक्सों की छंटनी पूरी तरह से सुरक्षित

कमरे में चल रही है।

>> भारतीय जनता पार्टीके नेताओं ने इस घटना को राजनीतिक ड्रामा बताया और सोशल मीडिया के माध्यम से नशाना साधा।

घटना का पूरा परिदृश्य

>> शाम को सामान्य स्थिति के बावजूद एक ई-मेल आने के बाद तृणमूल कांग्रेसने स्ट्रॉन्गरूम खोलने के प्रस्ताव का वरिध किया।

>> नेताकुणाल घोषऔरशशि पांजाजब स्ट्रॉन्गरूम के अंदर जाने का प्रयास किया, तो उन्हें अंदर जाने से मना कर दिया गया, जिसके बाद उन्होंने बाहर धरना शुरू कर दिया।

>> इसके बादममता बनर्जीभी स्थान पर पहुंचीं और अपने समर्थकों के साथ मलिकर करीब तीन घंटे तक वहीं रहीं।

>> उन्होंने कई बार कहा कि अगर कोई गैर-कानूनी गतिविधि होती है, तो उनकी पार्टी इसका कड़ा वरिध करेगी।

>> सुरक्षा के नाम पर बने जाल का उल्लेख करते हुए उन्होंने अपने समर्थकों से स्ट्रॉन्गरूम की नगिरानी करने की पुख्ता की।

चुनाव आयोग का जवाब और स्पष्टीकरण

>> इस आरोप पर चुनाव आयोगने देर रात को प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सभी दावों को सरि से खारजि कर दिया।

>> आयोग ने स्पष्ट किया कि स्ट्रॉन्गरूम में रखे बैलट की छंटनी की प्रक्रिया अपने समय पर चल रही है और यह पूरी तरह से नियमों के अनुसार हो रही है।

>> सभी समर्थति पार्टियों को पहले ही इस प्रक्रिया की सूचना दे दी गई थी और इसमें किसी भी तरह की गलतफहमी नहीं है।

>> बैलट बॉक्सों की सुरक्षा पूर्णतया सुनिश्चित है और कोई भी व्यक्ति बिना अनुमतति के इनमें संपर्क नहीं कर सकता है।

>> पोस्टल बैलटकी गनिती और छंटनी का काम पूरी तरह सुरक्षति और अलग कमरे में चल रहा है।

राजनीतिक प्रतिक्रियाएं और समर्थकों का हुआ उत्तर

>> भारतीय जनता पार्टीके नेताओं ने इस घटना को राजनीतिक ड्रामा कहा और कहा कि यह सरि एक साजशि है।

>> सोशल मीडिया पर दोनों पार्टियों के समर्थकों के बीच तीखी बहस और नोकझोंक देखने को मल्लि।

>> कुछ लोग इसे चुनावों की नष्पिक्षता के सवाल के रूप में देख रहे हैं, जबकि कुछ इसे सामान्य नियम पालन का हसिसा बता रहे हैं।

>> कुणाल घोष और शशिपांजा ने कहा कवि लोकतंत्र के खिलाफ कोई भी कदम नहीं होने देंगे।

>> सीएम की अपील के बाद हजारों समर्थक पहले से ही स्ट्रॉन्ग्रूम के आसपास इकट्ठा थे और नगिरानी का वादा किया।

नष्कर्ष

>> यह पूरा मामला सिर्फ एक विवाद नहीं, बल्कि चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर जनता के विश्वास को प्रभावित कर सकता है।

>> अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस और सत्ताधारी पार्टी के नेता चुनाव आयोग और सुरक्षा बलों के नर्णियों का सम्मान करते हुए इसे सामान्य रूप से लेकर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं।

>> भविष्य में कोई भी ऐसी घटना न हो, इसकी कामना करते हुए सभी पक्षों ने विवाद को खत्म करने की सहमति व्यक्त की है।

जनता के सवाल (FAQs)

इसका उद्देश्य बैलटों को सही ढंग से संगठित और सुरक्षित रखना है, ताकि गिनती की प्रक्रिया सुगम और नष्पक्ष हो सके। चुनाव आयोग ने भी स्पष्ट किया है कि यह पूरी तरह से एक नियमित और सुरक्षित प्रक्रिया है।

उनका मुख्य उद्देश्य अपने समर्थकों को साक्षी देना और सुरक्षा प्रक्रिया पर नगिरानी रखना था, साथ ही स्थानीय नर्वाचन क्षेत्र के स्ट्रॉन्ग्रूम से जुड़े होने का संकेत देना था।